राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर

शिक्षक दक्षता संवर्द्धन त्रि–दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम –प्रतिवेदन

दिनांक 26–28 नवम्बर 2019

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय एवं हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में ओ.टी.सी. सभागार में उदयपुर संभाग के 35 नवनियुक्त सहायक, आचार्यो का तीन दिवसीय 26.11.2019 से 28.11.2019 शिक्षक दक्षता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अकादमिक ज्ञान, प्रशासनिक ज्ञान एवं शोध तकनीकी ज्ञान नवनियुक्त सहायक आचार्यो को प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में उपरोक्त सभी उद्देश्यों को लेकर सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया गया।

दिनांक 26.11.2019 को उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता श्रीमान् वेंकटेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, ओ.टी.सी. ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक शिक्षक को सीखने –सिखाने का जुनून हमेशा रखना चाहिए। आचरण की शुद्वता, तार्किक ज्ञान एवं कुशल संप्रेषण – क्षमता भी इस सेवा में सफलता प्रदान करती है। डॉ. राकेश दशोरा कार्यक्रम समन्वयक रा.मी.क.महाविद्यालय, उदयपुर ने तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ संकाय सदस्य ओ.टी.सी श्रीमान् बद्रीलाल स्वर्णकार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपादेयता समझायी। डॉ. इरा भटनागर, कार्यक्रम समन्वयक, ओ.टी.सी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. शशि सांचीहर, सहआचार्य, रा.मी.क. महाविद्यालय, उदयपुर ने नव–नियुक्त संकाय सदस्यो को इस प्रशिक्षण की महत्ता बताते हुए कहा कि वे इस प्रशिक्षण को पूर्ण कर सीमित संसाधनों के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। उद्घाटन सत्र में डॉ. प्रमिला सिंघवी, सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा, उदयपुर एवं एफ.डी.पी समिति सदस्य डॉ. वन्दना वर्मा, डॉ. अंजना, डॉ. अंजना इन्टोदिया एवं डॉ. अंजु बेनीवाल भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के पश्चात् प्रथम सत्र मे डॉ. पी. के जैन ने मूल्य आधारित शिक्षा एवं जीवन कौशल के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करती हुए एक लघु फिल्म के माध्यम से शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से डॉ. राजेश्वरी नरेन्द्रन ने नेतृत्व कौशल एवं समूह निर्माण से जीवन व सेवा में क्षमता वृद्वि के महत्व को समझाया। प्रथम दिवस के तृतीय सत्र के अन्तर्गत उच्च शिक्षा में नवाचार एवं भावी दृष्टिकोण विषय पर श्रीमान् वेंकटेश शर्मा, डॉ. राकेश दशोरा एवं डॉ. इरा भटनागर के निर्देशन में समूह चर्चा आयोजित की गइ।

दिनांक 27.11.2019 को द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में ध्यान योग एवं स्वास्थ्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण डॉ. राकेश दशोरा तथा डॉ. के.के सक्सेना द्वारा ध्यान योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के गुण सिखाये गये। श्री अहसान अहमद छींपा के द्वारा द्वितीय सत्र में राजस्थान सेवा नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान कर प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान किया। तृतीय सत्र में सामान्य वित्तीय एवं लेखानियम की जानकारी श्री संतोष कुमार जैन द्वारा प्रदान की गई चतुर्थ सत्र में प्रो. जी. सोरल ने शोधकार्य में नवाचार एवं शोध प्रकिया पर प्रकाश डाला। पंचम सत्र में डॉ.इरा भटनागर ने सम्प्रेषण कला की विभिन्न रूपों को बताते हुई कहा कि ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण पर ही सबका व्यवहार निर्भर करता है। साथ ही डॉ. भटनागर द्वारा व्याख्यान तैयार करने की विधि का भी व्यवाहारिक प्रयोग कराया गया।

द्वितीय दिवस के अन्तिम सत्र में पेनल के समक्ष सहभागियों द्वारा पूर्व चयनित विषयों पर लघु प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें 12 सहभागियों ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया।

दिनांक 28.11.2019 को सत्र का प्रारम्भ ध्यान–योग एवं स्वास्थ्य के व्यवहारिक प्रशिक्षण से शुरू हुआ। द्वितीय सत्र में डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने महाविद्यालय कार्यालय प्रशासन एवं प्रबन्धन पर नियमों की जानकारी दी। तृतीय सत्र में श्री पारस पामेचा ने जीवन एवं कार्यस्थल पर होने वाले तनाव को दूर करने के लिए तनाव प्रबन्धन की रीतियों को समझाया। चतुर्थ सत्र में श्रीमान् अशोक भण्डारी ने RTI अधिनियम 2005 की विस्तृत जानकारी दी। पंचम सत्र में शिक्षण एवं प्रशिक्षण में नवाचार, ज्ञान प्रबन्धन एवं नवीन तकनीक का व्यवहारिक प्रयोग पर डॉ. मनोज छंगाणी एवं डॉ. सुनील शुक्ला ने जानकारी दी तथा आई.टी से सम्बन्धित पोर्टल का मोबाइल फोन के माध्यम से उपयोग सिखाया।

समापन सत्र की अध्यक्षता श्री वेंकटेश शर्मा अतिरिक्त निदेशक, ओ.टी.सी द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोनिका गर्ग, संयुक्त निदेशक वित्त, डॉ. इरा भट्नागर तथा डॉ. राकेश दशोरा कार्यक्रम समन्वयक उपस्थित थे। समापन समारोह में श्री सोहन लाल गुसई,रा. महा. राजसमन्द, श्रीमती केजल खत्री रा.म. सीमलवाडा, डॉ. शिल्पा नागोरी, रा.महा.निम्बाहेडा एवं श्री विष्णु कुमार शर्मा रा. महा. रेवदर ने Feedback के तहत अपने विचार व्यक्त किये। इस प्रकार सम्पूर्ण प्रशिक्षण अवधि में प्रत्येक संकाय एवं प्रत्येक सत्र के लिए मूल्यांकन प्रपत्र सहभागियों से भरवाये गये।

इस आधार पर निम्नांकित बिन्दु Feedback सुझाव के रूप में प्राप्त किये गये।

1. सहभागियों ने कार्यक्रम को उत्कृष्ट श्रेणी मे रखा तथा उपयोगी बताया।
2. ध्यान एवं स्वास्थ्य, शोध प्रकिया पद्वति एवं सेवा नियमों सम्बन्धी सत्रो को विशेष रूपों से पसन्द किया गया।
3. सभी सहभागियों का एक मत था कि कार्यक्रमों की उपयोगिता को देखते हुए इसकी अवधि पांच दिवस तक बढ़ायी जावे।
4. सहभागियों द्वारा कार्यक्रम मे वितरित की गई अध्ययन सामग्री को उपयोगी बताया तथा यह सुझाव दिया गया कि प्रत्येक विषय विशेषज्ञ, संदर्भित पुस्तकों तथा वेब साईट की जानकारी भी प्रदान करें।
5. कुछ सहभागियों द्वारा शोध में उपयोग की जाने वाली सांख्यिकी विधि, संमक विश्लेषण पर और विस्तृत जानकारी हेतु अलग सत्र का सुझाव दिया गया।

रा.मी. कन्या महाविद्यालय, उदयपुर एवं ओ.टी.सी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में सार रूप में यह तथ्य सामने आया कि यह कार्यक्रम नवनियुक्त सहायक आचार्यो के लिए उपयोगी, सरगर्भित संप्रेषणीय तथा अध्ययन –अध्यापन एवं महाविद्यालयों के कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक सिद्व होगा।

प्राचार्य
नोडल राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय,
उदयपुर

समन्वयक
डॉ. राकेश दशोरा
राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय,
उदयपुर